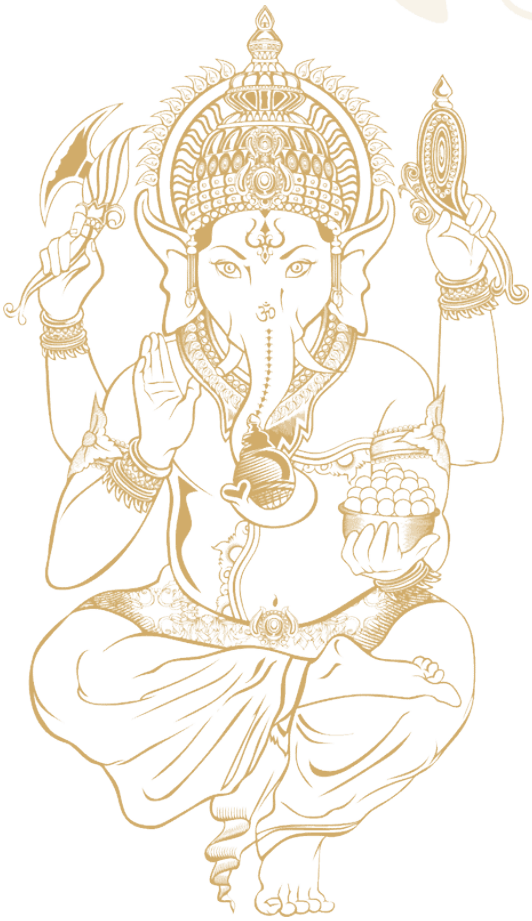

Mrs. Indu Sharma

27 May 1961

12:41 PM

Simla

Model: Varshphal-2017

Order No: 119073201

तिथि 27/05/1961 **समय** 12:41:00 **वार** शनिवार **स्थान** Simla **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:18:55
अक्षांश 31:06:00 उत्तर **रेखांश** 77:10:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:20 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	04:38:06 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:03:00 घं	योनि	व्याघ्र
सूर्योदय	05:20:05 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	19:17:05 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2018	वश्य	मानव
शक संवत	1883	वर्ग	मृग
मास	ज्येष्ठ	युँजा	मध्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	वायु
तिथि	12	जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
नक्षत्र	चित्रा	पाया(रा.-न.)	ताम्र-रजत
योग	वरियान	होरा	शनि
करण	बालव	चौघड़िया	चर

विंशोत्तरी
मंगल 0वर्ष 8मा 5दि
बुध
01/02/2015
01/02/2032

बुध	29/06/2017
केतु	26/06/2018
शुक्र	26/04/2021
सूर्य	03/03/2022
चन्द्र	02/08/2023
मंगल	29/07/2024
राहु	16/02/2027
गुरु	24/05/2029
शनि	01/02/2032

योगिनी
मंगला 0वर्ष 1मा 5दि
संकटा
01/07/2024
01/07/2032

संकटा	12/04/2026
मंगला	02/07/2026
पिंगला	11/12/2026
धान्या	12/08/2027
भ्रामरी	01/07/2028
भद्रिका	11/08/2029
उल्का	11/12/2030
सिद्धा	01/07/2032

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			19:01:57	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	राहु	---	0:00			
सूर्य			12:26:27	वृष	रोहिणी	1	चंद्र	राहु	शत्रु राशि	1.92	मातृ	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			05:22:00	तुला	चित्रा	4	मंगल	सूर्य	सम राशि	1.04	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल			18:01:59	कर्क	आश्लेषा	1	बुध	बुध	नीच राशि	0.97	अमात्य	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध			04:56:53	मिथु	मृगशिरा	4	मंगल	सूर्य	स्वराशि	1.12	कलत्र	ज्ञाति	जन्म
गुरु	व		13:50:06	मक	श्रवण	2	चंद्र	राहु	नीच राशि	0.92	भ्रातृ	धन	अतिमित्र
शुक्र			29:24:39	मीन	रेवती	4	बुध	शनि	उच्च राशि	1.45	आत्मा	कलत्र	प्रत्यारि
शनि	व		06:17:27	मक	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध	स्वराशि	1.52	पुत्र	आयु	मित्र
राहु	व		08:08:49	सिंह	मघा	3	केतु	गुरु	शत्रु राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु	व		08:08:49	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	राहु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	सम्पत

लग्न-चलित

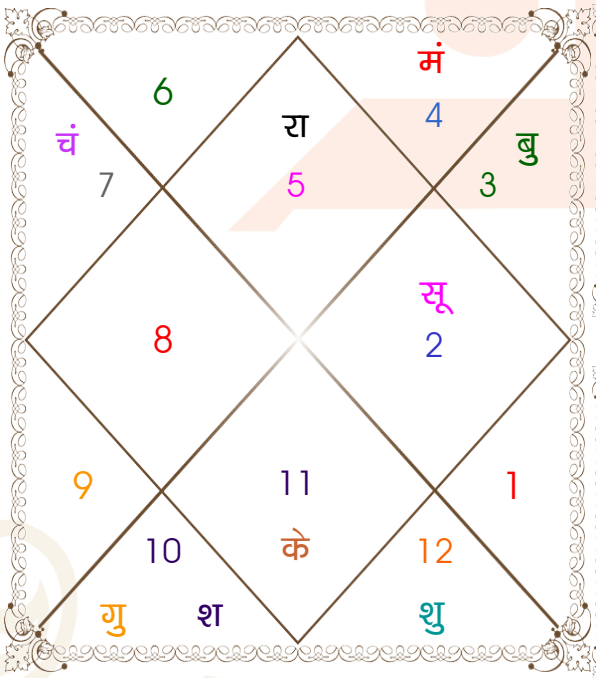

चन्द्र कुंडली

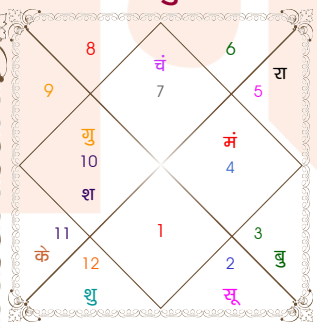

नवमांश कुंडली

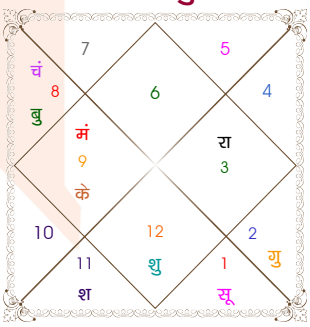

सर्वाष्टकवर्ग

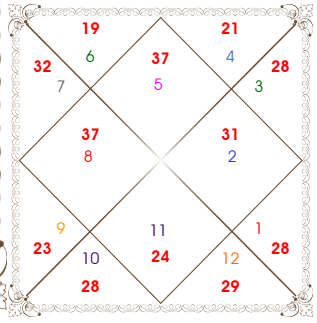

दशमांश कुंडली

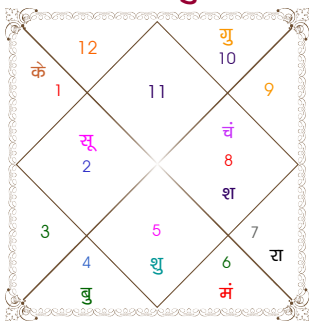

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थो को आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी आपकी अच्छी रहेगी तथा मन से प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी लोग परस्पर मिल जुलकर रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इस वर्ष में माता से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा आप भी उनकी पूर्ण सेवा करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही मातृपक्ष या ससुराल से आपको लाभ की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में जमीन जायदाद तथा वाहनादि का सुख भी आपको प्राप्त होगा तथा इनसे प्रचुर मात्रा में लाभ की भी संभावनाएं रहेंगी। धर्म के प्रति आपका श्रद्धा भाव रहेगा तथा धार्मिक क्रियाकलापों को भी सम्पन्न करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा । इस समय व्यापार में आपकी वृद्धि तथा विस्तार होगा एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे । साथ ही किसी नवीन कार्य के प्रारम्भ की भी योजना बनेगी। नौकरी या राजनीति में आप की उन्नति होगी एवं उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से आपके मधुर संबंध रहेंगे साथ ही इनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा एवं यश में अभिवृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे साथ ही आर्थिक दृष्टि भी सुदृढ़ रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक कष्ट की भी अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति सामान्यतया अच्छी ही रहेगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम तथा उत्साह से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको न्यूनाधिक सफलता भी मिलती रहेगी। शत्रुपक्ष से इस समय आपको परेशानी होगी परन्तु आप उनका सामना करने में समर्थ रहेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित कर सकेंगे। समाज में इस समय आपकी प्रतिष्ठा मध्यम रहेगी तथा आप मिथ्यावाद के कारण कठिनाई का सामना कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन तथा लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे समय समय पर लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा परन्तु इसमें न्यूनाधिक भाव रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा अत्यंत ही परिश्रम एवं पराक्रम से सफलता अर्जित करेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही व्यापार संबधी कार्यो में भी मन्दी रहेगी लेकिन स्व पराक्रम एवं परिश्रम से आप इच्छित लाभ अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आपको वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है तथा स्थान परिवर्तन या आवास संबधी योजना का प्रारंभ हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपके अन्य रूके हुए कार्य भी इस वर्ष में पूर्ण होंगे। अतः समय का सदुपयोग करना चाहिए।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

प्रथम मास

28/05/2025 02:07:24 से 27/06/2025 12:38:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	08:59:12
सूर्य		वृष	रोहिणी	12:35:10
चन्द्र		वृष	रोहिणी	22:53:12
मंगल		कर्क	आश्लेषा	24:39:21
बुध		वृष	कृतिका	09:43:48
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	02:51:51
शुक्र		मीन	रेवती	26:48:07
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	05:59:15
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:19:03
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	00:19:03
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:01:57

मासाधिपति

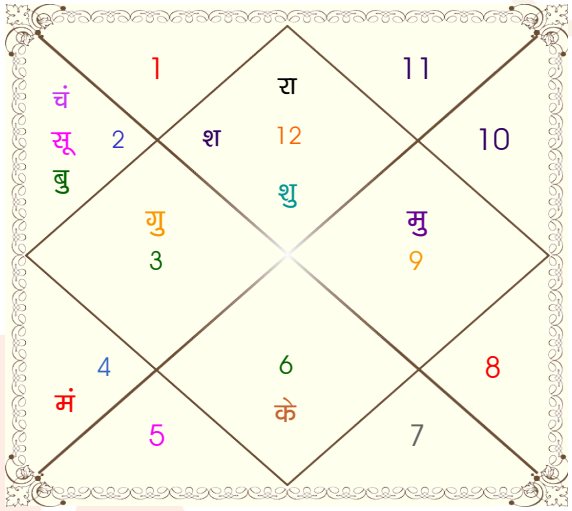

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी आपसे पूर्णरूपेण प्रसन्न रहेंगे। अपने मित्रों एवं बन्धुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ कार्य भी सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं पूजा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही कई प्रकार से धन लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्थान या नवीन आवास आदि की भी प्राप्ति कर सकते हैं। इसके साथ ही सर्व प्रकार से शुभ फल होंगे एवं प्रसन्नतापूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिस्त पिछले महीने की असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे।जिससे आप वात रोग से पीड़ित हो सकते हैं तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिससे प्रतिष्ठा में न्यूनता हो सकती है। इस समय अग्नि के द्वारा भी किंचित धन हानि होने की सम्भावना रहेगी।अतः सावधानी पूर्वक समय को व्यतीत करें।

द्वितीय मास

27/06/2025 12:38:27 से 27/07/2025 23:09:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	14:21:45
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	11:41:22
चन्द्र		कर्क	पुष्य	06:23:53
मंगल		सिंह	मघा	11:25:13
बुध		कर्क	पुष्य	06:26:08
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	09:45:28
शुक्र		मेष	कृतिका	27:45:44
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:30:34
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:04:45
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	27:04:45
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:31:57

मासाधिपति

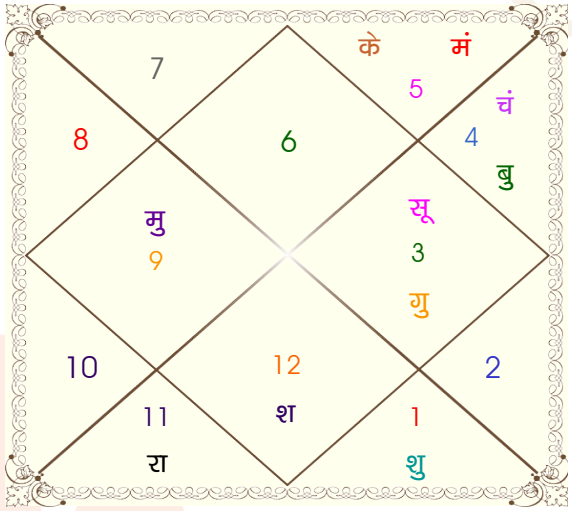

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

27/07/2025 23:09:30 से 27/08/2025 09:40:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	01:23:45
सूर्य		कर्क	पुष्य	10:43:45
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:57:11
मंगल		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:28:09
बुध	व	कर्क	आश्लेषा	17:52:26
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	16:34:42
शुक्र		मिथुन	मृगशिरा	01:49:48
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:32:29
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:47:48
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:47:48
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:01:57

मासाधिपति

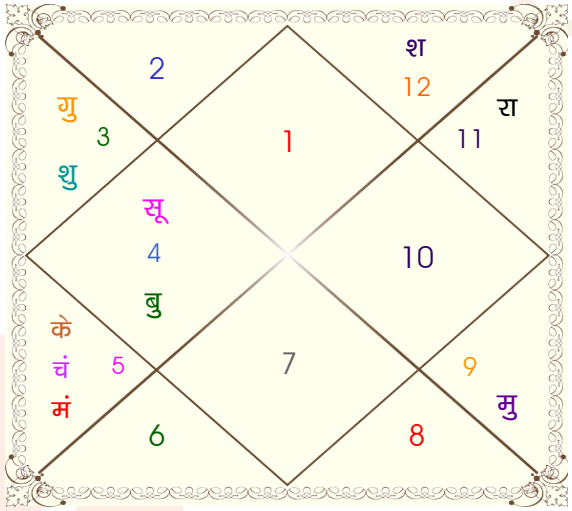

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
27/08/2025 09:40:33 से 26/09/2025 20:11:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	27:42:10
सूर्य		सिंह	मघा	09:56:56
चन्द्र		कन्या	चित्रा	25:08:53
मंगल		कन्या	हस्त	18:34:31
बुध		कर्क	आश्लेषा	24:14:51
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:46:20
शुक्र		कर्क	पुष्य	07:33:40
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:07:54
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:47
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:47
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:31:57

मासाधिपति

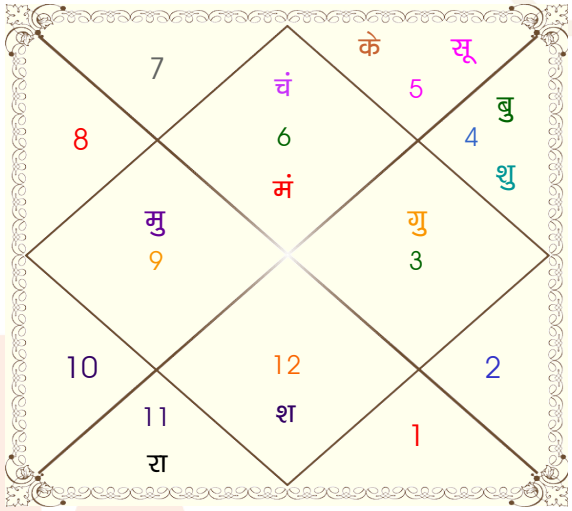

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी एवं इसमें अशान्ति रहेगी।पारिवारिक जनों से भी आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा आपस में अनबन रहेगी। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय शिथिलता आएगी तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बन सकता है। आप इस समय अपने किसी कार्य को छोड़ भी सकते है। सामाजिक जनों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद आदि भी होते रहेंगे फलतः आपके सम्मान में न्यूनता का भाव आएगा। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे।अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्न पूर्वक आप धार्मिक कार्य करने के लिए प्रवृत रहेंगे। साथ ही अन्य कई प्रकार के शुभ फल भी इस समय घटित हो सकेंगे।अतः मास शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

पंचम् मास

26/09/2025 20:11:36 से 27/10/2025 06:42:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	21:52:00
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:33:14
चन्द्र		वृश्चिक	विशाखा	02:22:05
मंगल		तुला	स्वाति	08:40:11
बुध		कन्या	हस्त	19:51:48
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:41:17
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:27:30
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:52:33
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:01:02
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:01:02
मुंथा		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:01:57

मासाधिपति

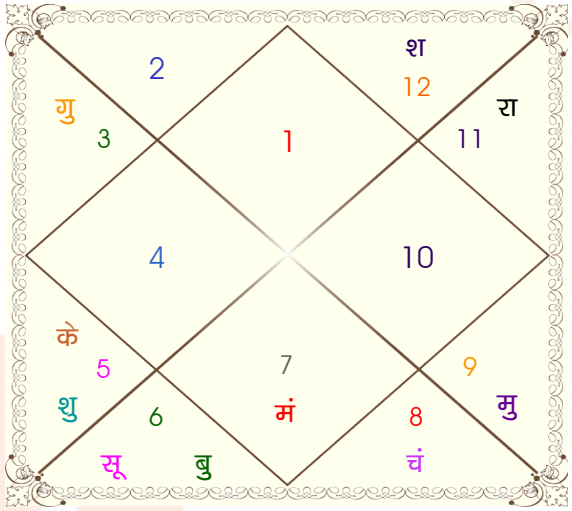

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते है। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा ।मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

षष्ठ मास

27/10/2025 06:42:39 से 26/11/2025 17:13:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	10:54:10
सूर्य		तुला	स्वाति	09:39:34
चन्द्र		धनु	मूल	09:56:48
मंगल		तुला	विशाखा	29:44:04
बुध		वृश्चिक	विशाखा	03:12:19
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:32:06
शुक्र		कन्या	हस्त	22:09:52
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:49:11
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:53:44
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:53:44
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:31:57

मासाधिपति

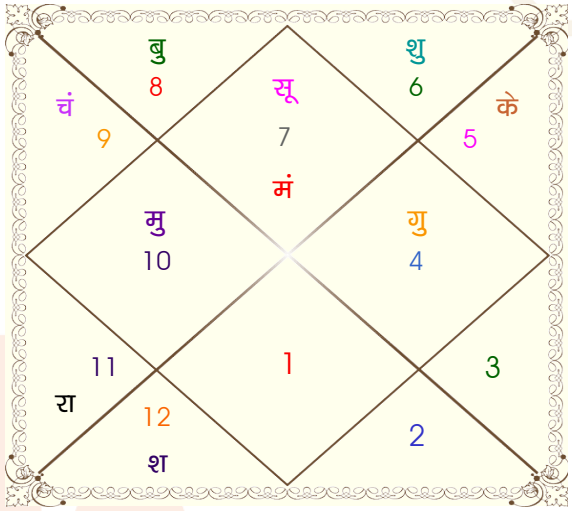

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

सप्तम् मास
26/11/2025 17:13:42 से 27/12/2025 03:44:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	09:53:12
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	10:15:08
चन्द्र		मकर	श्रवण	18:58:04
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:44:18
बुध	व	तुला	विशाखा	27:28:33
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:34:04
शुक्र		वृश्चिक	विशाखा	00:18:25
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:56:25
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:08:52
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:08:52
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:01:57

मासाधिपति

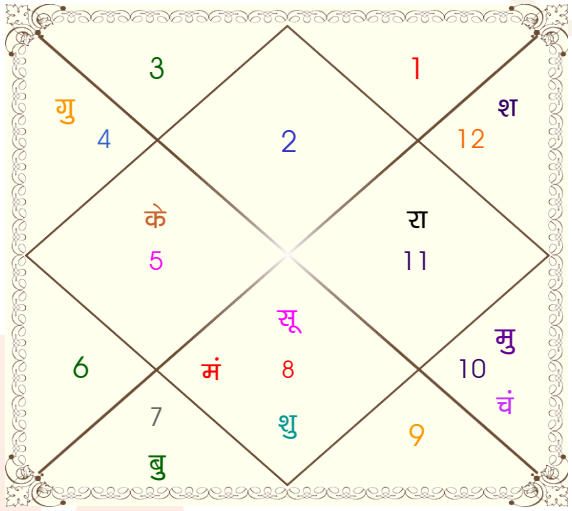

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अष्टम् मास
27/12/2025 03:44:45 से 26/01/2026 14:15:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	23:57:47
सूर्य		धनु	मूल	11:10:42
चन्द्र		मीन	पू०भाद्रपद	00:19:02
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:35:16
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:46:13
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:47:05
शुक्र		धनु	मूल	08:36:03
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:40:13
राहु		कुम्भ	शतभिषा	17:02:02
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:02:02
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:31:57

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

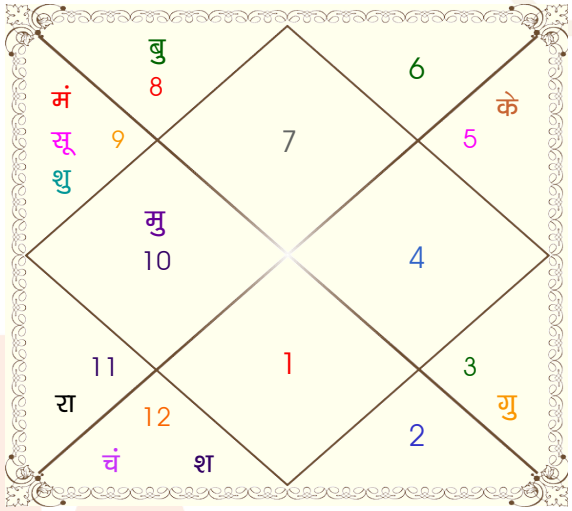

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
26/01/2026 14:15:48 से 26/02/2026 00:46:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	25:48:59
सूर्य		मकर	श्रवण	12:10:44
चन्द्र		मेष	भरणी	14:20:23
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:06:01
बुध		मकर	श्रवण	15:24:13
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:47:45
शुक्र		मकर	श्रवण	16:52:51
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:52:45
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:12:02
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:12:02
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:01:57

मासाधिपति

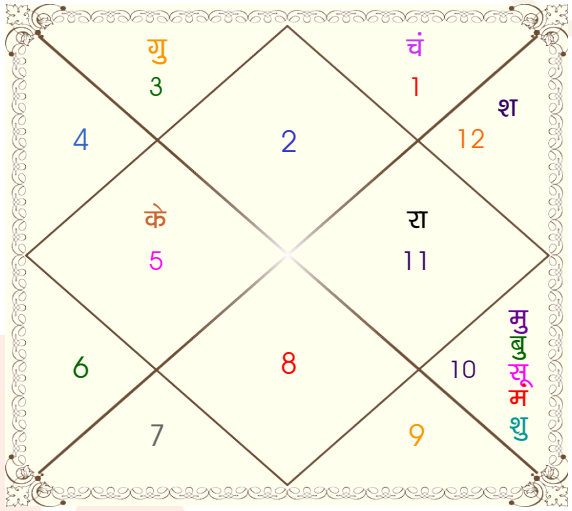

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

दशम् मास
26/02/2026 00:46:51 से 28/03/2026 11:17:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	06:59:04
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	12:58:14
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	29:55:25
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	02:00:03
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:19:19
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:09:12
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:00:12
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:07:16
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:45:14
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:14
मुंथा		मकर	श्रवण	11:31:57

मासाधिपति

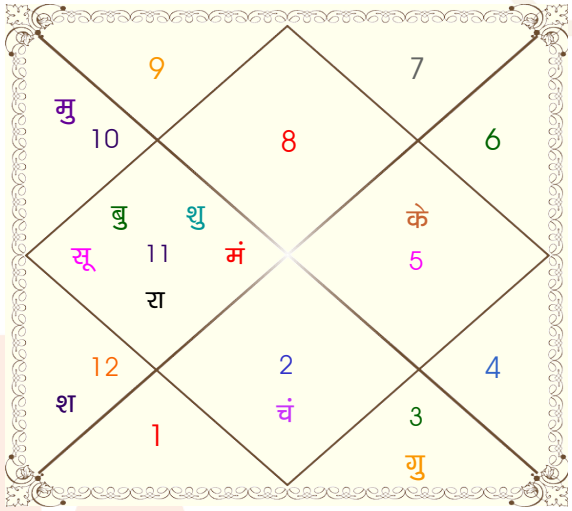

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

एकादश मास

28/03/2026 11:17:54 से 27/04/2026 21:48:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	10:16:57
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	13:20:15
चन्द्र		कर्क	पुष्य	14:40:04
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:57:00
बुध		कुम्भ	शतभिषा	16:42:28
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:19:53
शुक्र		मेष	अश्विनी	02:47:05
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	10:51:14
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:31:52
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:31:52
मुंथा		मकर	श्रवण	14:01:57

मासाधिपति

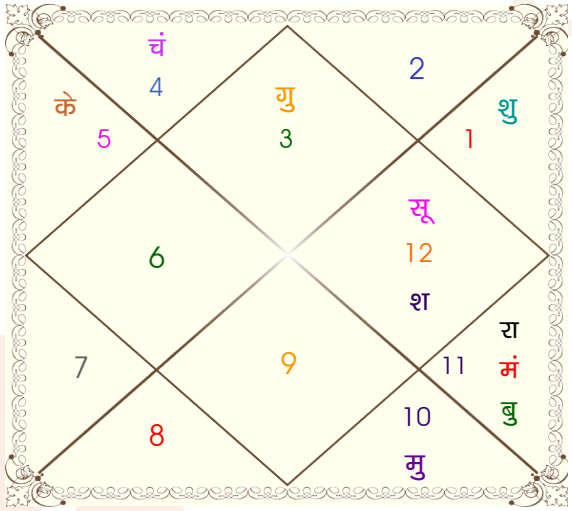

मासाधिपति : बुध

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा फिर भी अल्प मात्रा में शुभ फल अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपके दुश्मन बलवान रहेंगे तथा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे फलतः आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अत्यंत ही परिश्रम से सफल होंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर रहेंगे। शारीरिक रूप से भी आप दुर्बल रहेंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव अल्प ही रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप अल्प मात्रा में ही पूजन तथा सेवा करेंगे। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे तथा शरीर में दुर्बलता का भाव रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। आपके पारिवारिक कार्य भी इस समय असफल रहेंगे एवं मुकद्दमे आदि में धन व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने बुद्धिचातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सामान्य धन तथा सुखार्जन करके आप प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे।

द्वादश मास

27/04/2026 21:48:57 से 28/05/2026 08:20:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:10:51
सूर्य		मेष	अश्विनी	13:11:33
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	26:56:08
मंगल		मीन	रेवती	19:35:59
बुध		मीन	रेवती	25:42:39
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:14:13
शुक्र		वृष	रोहिणी	10:02:19
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:32:32
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:07:22
केतु	व	सिंह	मघा	13:07:22
मुंथा		मकर	श्रवण	16:31:57

मासाधिपति

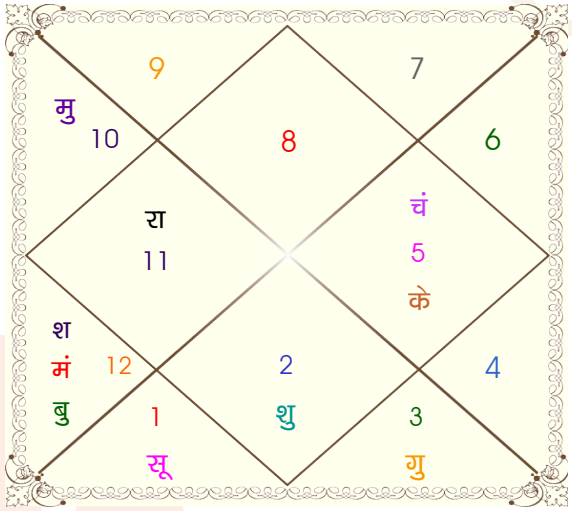

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक तथा अन्य लोग आपकी श्रेष्ठता तथा प्रभुता को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे।साथ ही आप धन एवं सुखोपभोग की सामग्री अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी इस समय सम्पन्न होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे।